web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Social Justice Union (Govt. Registered)

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार, 28 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 178

महत्वपूर्ण एवं खास

चित्तूर में तेज रफ्तार बस खाई में गिरी, 7 यात्रियों की मौत , 45 घायल

हैदराबाद (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के चित्तूर में बीती रात एक बस दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई और 45 घायल हैं। घायलों को पास के अस्पताल में ले जाया गया है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि ड्राइवर की लापरवाही के चलते तेज रफ्तार बस चट्टान से नीचे खाई में जा गिरी। यह हादसा तिरुपति से 25 किलोमीटर दूर बकरापेटा के पास हुआ। हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए। दुर्घटना की सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर मौजूद लोगों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की। रात होने की वजह से लोगों को इसमें दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रविवार तडक़े तक रेस्क्यू कार्य पूरा कर लिया गया।

चूल्हे की चिंगारी से झोपड़ी में आग लगी, पोता-पोती और दादी जिंदा जले

सतना (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक झोपड़ी में लगी आग में पोता-पोती और दादी जिंदा जल गए। तीनों की मौत हो गई। आग कैसे लगी इसका कारण पुलिस खोज रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बीती देर शाम को कोठी थाना क्षेत्र के भैंसवार गांव में झोपड़ी में पांच वर्षीय सागर डाहोर अपनी चार वर्षीय बहन कीर्ति के साथ खेल रहा था, जबकि उनकी दादी विद्या डाहोर खाना बना रही थी। इस दौरान आग की चिंगारी उठी और आग भडक़ गई। पुलिस के मुताबिक, विद्या ने देखा कि बच्चे जहां खेल रहे है वहां आग लगी है तो वह दोनों पोते-पोती को बचाने भागी और वह भी आग की लपटों में घिर गई। तीनों चीखे-चिल्लाए मगर उन्हें बाहर नहीं निकाला जा सका, परिणामस्वरुप तीनों ही बुरी तरह झुलस गए। गांव वालों ने तीनों को बचाने के हर संभव प्रयास किए, राहत और बचाव कार्य करते हुए पानी का इंतजाम किया, फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई और जब तीनों को उन्हें बाहर निकाला गया, मगर तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी।

ट्रक की टक्कर से कार सवार मां बेटी की मौत, दो घायल

हापुड़ (आरएनएस)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मंडी के सामने ट्रक की टक्कर से कार सवार मां- बेटी की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज घायलों को स्थानीय अस्पताल में पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत में उन्हें मेरठ रेफर किया गया है। मृतक जनपद अमरोहा के थाना रजबपुर क्षेत्र अंतर्गत गांव जगव खुर्द के रहने वाले हैं। गांव निवासी शैलेंद्र सिंह की पत्नी रीता अपनी पुत्री निशामनी, भतीजे शिशांक और दामाद निपुण के साथ कार में सवार होकर नोएडा स्थित अपने रिश्तेदार के घर जा रही थी। जैसे ही उनकी कार गढ़ कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित नवीन सब्जी मंडी के सामने पहुंची तो विपरीत दिशा से आए ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। घटना में सभी लोग घायल हो गए ।घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई ।सूचना पर पुलिस में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे सभी घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया ।जहां से चिकित्सक ने रीता और उसकी पुत्री निशामनी को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य दो घायलों को मेरठ के लिए रेफर किया गया है।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रघुराज सिंह गुर्जर ने बताया कि घटना में मां बेटी की मौत हो गई है ।जबकि दो लोगों को मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।घटना की अभी तक तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध हालत में मां बेटी की झुलस कर हुई मौत

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के चारों गांव में एक महिला और उसकी मासूम बच्ची की झुलस कर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात षैलेन्द्र सिंह ने बताया गया है कि बिहारी लाल विश्वकर्मा रोजी रोटी के सिलसिले में महाराष्ट्र रहता है। घर पर उसकी पत्नी 32 वर्षीया सीमा देवी विश्वकर्मा अपनी 14 माह की पुत्री दिव्यांशी के साथ रहा करती थी। रविवार की सुबह को अचानक उसके घर के अंदर से चीख पुकार की आवाज आने लगी।

भारतीय सेना ने डीआरडीओ ने मध्यम दूरी की मिसाइल का किया सफलतापूर्वक परीक्षण

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 27 मार्च, 2022 को ओडिशा के तट पर चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) के भारतीय सेना संस्करण के दो सफल उड़ान परीक्षण किए। उड़ान परीक्षण हाई-स्पीड हवाई लक्ष्यों के विरूद्ध लाइव फायरिंग ट्रायल के हिस्से के रूप में किए गए। मिसाइलों ने हवाई लक्ष्यों को इंटरसेप्ट किया और दोनों रेंजों पर सीधे हिट दर्ज करते हुए उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया। पहला लाँच एक मध्यम ऊंचाई लंबी दूरी के लक्ष्य को इंटरसेप्ट करना था और दूसरा लाँच कम ऊंचाई वाली छोटी दूरी के लक्ष्य की क्षमता सिद्ध करने के लिए था।

यह एमआरएसएएम संस्करण भारतीय सेना द्वारा उपयोग के लिए डीआरडीओ और इजऱाइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई), इजऱाइल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। एमआरएसएएम आर्मी वेपन सिस्टम में मल्टी-फंक्शन रडार, मोबाइल लॉन्चर सिस्टम और अन्य वाहन शामिल हैं। उड़ान परीक्षण डिलीवरेबल आकृति में हथियार प्रणाली के साथ किए गए थे। हथियार प्रणाली का निष्पादन आईटीआर, चांदीपुर द्वारा तैनात रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री जैसे रेंज उपकरणों द्वारा कैप्चर किए गए उड़ान डेटा के माध्यम से सत्यापित किया गया था। उड़ान परीक्षण डीआरडीओ और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एमआरएसएएम-सेना के सफल उड़ान परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग को बधाई दी है। उन्होंने कहा, दोनों सफल परीक्षण महत्वपूर्ण दूरी पर लक्ष्य को भेदने में हथियार प्रणाली की क्षमता को स्थापित करते हैं।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी ने एमआरएसएएम के सेना संस्करण के सफल उड़ान परीक्षण में शामिल टीमों की सराहना की और कहा कि ये परीक्षण आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रमुख उपलब्धियां हैं।

बीरभूम हिंसा : फुटबॉल ग्राउंड से बरामद हुए क्रूड बम, बुलानी पड़ी बम स्क्वायड टीम

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में हुई हिंसा के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हथियारों की बरामदगी को लेकर पुलिस को आदेश दिए हैं। इसी कड़ी में पुलिस टीम ने सिकंदर गांव में रविवार को एक फुटबॉल मैदान के पास प्लास्टिक की थैली में क्रूड बम बरामद किए। इन बमों को डिफ्यूज करने के लिए केंद्रीय जांच विभाग (सीआईडी) की एक बम स्क्वायड टीम बुलानी पड़ी। क्रूड बमों की बरामदगी ऐसे समय में हुई है जब केंद्रीय जांच ब्यूरो उस हिंसा की जांच के लिए बोगतुई गांव में है जिसमें दो बच्चों सहित आठ लोगों की जलकर मौत हो गई थी। बीरभूम हिंसा के बाद, पश्चिम बंगाल पुलिस राज्य भर से हथियार और गोला-बारूद बरामद करने के लिए छापेमारी कर रही है। हथियार और गोला-बारूद जब्त करने के लिए चलाए गए अभियान में जगदल, बीजपुर और भाटपारा इलाकों से आठ जिंदा बम, तीन आग्नेयास्त्र बरामद किए जा चुके हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल सीबीआई की टीम आगजनी की जगह पर मौजूद है। टीम ने जले हुए मलबे के नमूने एकत्र किए हैं। केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) ने भी रामपुरहाट शहर के हिंसा प्रभावित गांव

में नमूने एकत्र किए हैं। सीबीआई ने कहा कि हम एक महिला और तीन अन्य लोगों से बात करेंगे, जो हिंसा में घायल हो गए थे और अब उनका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। शनिवार को, एक पुलिस अधिकारी जो आग की घटना के पहले शिकायतकर्ता भी हैं, ने प्राथमिकी में कहा है कि तीव्र गर्मी के कारण दमकल टीम को जले हुए घरों में प्रवेश करने के लिए दस घंटे तक इंतजार करना पड़ा। अधिकारी ने यह भी दावा किया कि घरों में आग लगाने के अलावा तोडफ़ोड़ की गई थी।

उधर, बीरभूम हिंसा ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्ष विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी के बीच बड़े पैमाने पर राजनीतिक संघर्ष शुरू कर दिया है। भाजपा ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करते हुए बीरभूम स्थल की तुलना नाजी यातना शिविरों से कर दी है।

फोटोमीट्रिक पंजीकरण को पहुंचने लगे चारधाम यात्री

ऋषिकेश (आरएनएस)। चारधाम यात्रा 2022 का आगाज तीन मई को होगा। लेकिन, यात्रा को लेकर श्रद्धालु अभी से उत्साहित हैं। खासकर पैदल यात्रा करने वाले, यात्रा शुरू होने से एक महीने पहले यात्रा के प्रवेश द्वार तीर्थनगरी ऋषिकेश पहुंचने लगे हैं। रविवार दोपहर 12.30 बजे दो पैदल यात्री ऋषिकेश चारधाम यात्रा बस टर्मिनल कंपाउंड में फोटोमीट्रिक पंजीकरण के लिए पहुंचे। यहां फोटोमीट्रिक पंजीकरण कक्ष नहीं खुलने पर पेड़ की छाया के नीचे बैठ गए। आसपास के लोगों से फोटोमीट्रिक पंजीकरण कक्ष खुलने की जानकारी जुटाने लगे। बताया कि अभी फोटोमीट्रिक पंजीकरण केंद्र नहीं खुला है। 15 अप्रैल से खुलने की उम्मीद है। कुछ देर सुस्ताने के बाद दोनों संन्यासी पैदल ही आस्थापथ की ओर बढ़ गए। आरएनएस से बातचीत में प्रयागराज उत्तरप्रदेश से आए अमर गिरी ने बताया कि वे पिछले 10 साल से चारधाम यात्रा पैदल कर रहे हैं। दो साल कोरोना के चलते यात्रा बंद रही। अब सामान्य स्थिति होने पर पैदल यात्रा के लिए घर से निकले हैं, लेकिन यहां फोटोमीट्रिक पंजीकरण केंद्र नहीं खुलने से पंजीकरण नहीं हो सका। जबकि पहले यात्रा आरंभ होने से डेढ़ महीने पहले केंद्र खुल जाता था। बताया कि प्रयागराज से करीब 15 संत पैदल यात्रा के लिए निकले हैं। वहीं, हरदोई, यूपी से आए संन्यासी सुदर्शन दास ने बताया कि यह उनकी पहली पैदल यात्रा है। बताया कि पैदल यात्रा के लिए घर से निकले हैं। वे देव धामों के दर्शन के लिए बेहद उत्साहित हैं।

रेप के बाद मां बनी नाबालिग, 10 लोगों का हुआ डीएनए टेस्ट, 16 वर्षीय नाबालिग निकला पिता

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। राजस्थान के प्रतापगढ़ में 13 साल की एक नाबालिग के साथ रेप की घटना हुई, पीड़िता प्रेगनेंट भी हो गई थी, लेकिन न तो उसे न ही घर में किसी को इसकी जानकारी लगी। मामले का खुलासा तब हुआ जब नाबालिग का पैर जल जाने के बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। 13 वर्षीय पीड़ित बालिका अपनी दादी के साथ गांव में रहती थी। उसकी दादी गांव के अन्य घरों में घरेलू काम करती है। पीड़िता के माता-पिता मंदसौर में रहते हैं। पीड़िता का पैर जलने के बाद बालिका को मंदसौर के राजकीय अस्पताल में दिखाने के लिए ले गए। यहां उसकी हालत देख डॉक्टर

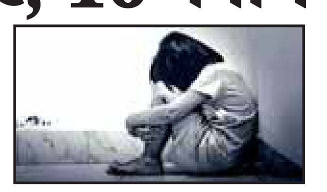

को शक हुआ तो सोनोग्राफी कराई गई। पता चला कि वो आठ महीने की गर्भवती है। डॉक्टरों ने मंदसौर की नगर पुलिस को इस बात की जानकारी दी। पुलिस ने रेप की जीरो एफआईआर काटकर 2 जनवरी 2022 को प्रतापगढ़ कोतवाली पुलिस को भेज दी। एसपी डॉक्टर अमृता दुहान ने बताया कि हमने बालिका के परिजनों से बात की तो वो ये नहीं बता पाए कि उसके साथ यह घटना कब और कैसे हुई?

पुलिस ने इस घटना के बारे में पता लगाने के लिए महिला पुलिसकर्मियों को सिविल ड्रेस में ही सूचना एकत्र करने के लिए गांव में भेजा। पुलिस ने कुछ सूचनाएं एकत्र की। जिसके बाद कोर्ट में 164 के बयानों में बालिका ने एक परिचित नाबालिग पर संदेह जताया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर 4 फरवरी को नाबालिग को दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत डिटेन कर लिया। परिचित होने की वजह से उसका घर आना जाना था।

डीएनए टेस्ट में हुआ खुलासा- पुलिस ने बताया कि नवजात और बालिका का डीएनए टेस्ट करवाने के बाद दस अन्य लोगों के सैंपल लेकर डीएनए टेस्ट करवाए। इसमें दोषी नाबालिग भी शामिल था। शुरुआत के किसी भी डीएनए की रिपोर्ट मैच नहीं हुई। इस दौरान नाबालिग युवक के 16 वर्षीय छोटे भाई का डीएनए सैंपल भी लिया गया। 2 मार्च को आई रिपोर्ट में उसकी डीएनए रिपोर्ट बालिका के बच्चे की डीएनए रिपोर्ट से मैच हो गई।

पुलिस इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि दोनों भाइयों ने अलग-अलग समय में बालिका के साथ दुष्कर्म किया था। इस दौरान बालिका गर्भवती हो गई। इस पर 22 मार्च को कोतवाली पुलिस ने 16 वर्षीय बाल अपचारी को भी पॉक्सो एक्ट के तहत हिरासत में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया।

यूपी के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी चला बुलडोजर

❑ शहर के व्यवस्तम मार्ग सुपेला चौक से गदा चौक तक भिलाई निगम व जिला पुलिस प्रशासन ने हटाया अवैध अतिक्रमण

भिलाई (आरएनएस)। यूपी में अवैध अतिक्रमणों पर बाबा का बुलडोजर चलता रहता है। कुछ इसी तर्ज पर आज सुपेला भिलाई में भी भिलाई निगम की टीम ने अवैध अतिक्रमणों पर बुलडोजर चला दिया। तडक़े सुबह से ही भिलाई निगम व दुर्ग पुलिस ने सडक़ों पर व्यापार लगाने वालों के खिलाफ जमकर कार्रवाई की। सुपेला चौक से गदा चौक भिलाई का सबसे व्यवस्तम चौक है। यहां संडे मार्केट लगता है मार्केट सडक़ पर लगने से यातायात पूरी तरह जाम हो जाता है आम लोगों को रविवार को इस क्षेत्र से निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार इस क्षेत्र में एम्बुलेंस फंसी है यातायात बाधित होने से एम्बुलेंस निकल नहीं पाती है और मरीज की जान जाने का खतरा भी बना रहता है। अवैध अतिक्रमण हटने से यहां से छोटी से बड़ी गाडिय़ां आसानी से निकल जाएंगी। इस दौरान निगन ने बुलडोजर सहित अन्य गाडिय़ों की भी व्यवस्था रखी थी।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई- संडे मार्केट सुपेला की दुकानें पहले एप्रोच रोड के बीच डिवाईडर पर दोनों ओर लगती थीं। आज से पांच साल पहले तत्कालीन एसपी शशिमोहन सिंह के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई हुई थी लेकिन इन दुकानदारों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद सडक़ के किनारे दुकान लगाने की नसीहत दी गई। तब से दुकान किनारें ही लग रही है। धीरे-धीरे दुकानें फिर सडक़ पर आ गईं। फिर वही स्थिति उत्पन्न हुए जिसे देखते हुए आज निगम व पुलिस प्रशासन ने यह कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान भिलाई निगम के अधिकारी व दुर्ग पुलिस के जवान, सीएसपी व अन्य अधिकारी मौके पर डटे रहे। भिलाईनगर सीएसपी राकेश जोशी ने बताया कि नेहरु नगर जोन के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई है। एक दिन पूर्व ही भिलाई निगम ने दुकानदारों को नोटिस देकर सचेत कर दिया था इसी तारतम्य में यह कार्रवाई भिलाई निगम के द्वारा की जा रही है।

व्यापारियों में दिखा आक्रोश- निगम की कार्रवाई के खिलाफ मार्केट के व्यापारियों का आक्रोश भी सामने आया। व्यापारियों का कहना है कि सप्ताह में एक दिन व्यापार होता है। दूर-दूर से लोग मार्केट में खरीदी करने के लिए पहुंचते हैं। भीड़ के कारण यहां अव्यवस्था होती है। वहीं निगम टीम का कहना है कि दुकानें तय दायरे में लगाई जाए तो ठीक है नहीं तो निगम की टीम कार्रवाई करेगी।

क्यों जरूरी है सुपेला संडे मार्केट पर कार्यवाही करना यह भी जानिए- रविवार को ही क्यों यहां हो जाता है ट्रैफिक में जाम : सुपेला संडे मार्केट शहर का सबसे व्यस्ततम मार्केट है, भिलाई का मुख्य चौराहा सुपेला चौक से होकर यह गदा चौक की ओर जाता है। इस रास्ते से होकर गदा चौक होते हुए अवंती बाई चौक की ओर तथा वैशाली नगर क्षेत्र की ओर जा सकते हैं।

गोरखपुर से काशी-कानपुर के लिए उड़ान, योगी ने वर्चुअली किया उद्घाटन

कानपुर (आरएनएस)। गोरखपुर से क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत रविवार से वाराणसी और कानपुर के लिए सेवा शुरू हुई है। स्पाइस जेट को इसकी जिम्मेदारी मिली है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने 27 मार्च से 29 अक्टूबर तक अपना समर शेड्यूल जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस उड़ान के शुभारंभ कार्यक्रम में लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए, जबकि केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर से हिस्सा लिया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विगत पांच वर्षों में एयर कनेक्टिविटी में काफी परिवर्तन हुआ है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौजूदा समय में राज्य में नौ हवाई अड्डे काम कर रहे हैं। चार साल पहले,राज्य में सिर्फ चार हवाई अड्डे केवल 25 गंतव्यों से जुड़े थे। अब देश भर के 75 गंतव्यों के लिए राज्य से उड़ानें उपलब्ध हैं। सरकार ने गोरखपुर से वाराणसी के लिए 12 फ्लाइट्स की व्यवस्था की है। एक से दो दिन में इन उड़ानों के लिए टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। दूसरे देशों को जोडऩे का काम भी चल रहा है। उत्तर प्रदेश में ढेर सारी संभावनाएं हैं। पर्यटन और रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं।

स्पाइस जेट की विमान संख्या (एसजी-2747) 27 मार्च से रोजाना कानपुर से गोरखपुर दोपहर 12.35 पर आएगी और यहां से 12.55 बजे कानपुर के लिए उड़ान भरेगी।

मत्स्यपालन पर भारत-श्रीलंका संयुक्त कार्य समूह की पांचवीं बैठक वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई

नई दिल्ली (आरएनएस)। मत्स्यपालन पर भारत-श्रीलंका संयुक्त कार्य समूह की पांचवीं बैठक वर्चुअल माध्यम से 25 मार्च, 2022 को आयोजित की गई।

इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्यपालन विभाग के सचिव जतिंद्र नाथ स्वैन ने किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, तमिलनाडु सरकार, पुडुचेरी सरकार, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे।

वहीं, श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका सरकार के मत्स्यपालन मंत्रालय की सचिव श्रीमती आर.एम. आई. रत्नायके ने की। श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में श्रीलंका के विदेश मंत्रालय, मत्स्यपालन मंत्रालय, मत्स्यपालन व जलीय संसाधन विभाग, नौसेना, तटरक्षक बल, श्रीलंका पुलिस, महान्यायवादी विभाग और राष्ट्रीय जलीय संसाधन अनुसंधान व विकास एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

संयुक्त कार्य समूह ने मछुआरों व मछली पकडऩे वाली नौकाओं से संबंधित चिंताओं सहित उन सभी प्रासंगिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की, जो कई वर्षों से भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय वार्ता के एजेंडे में रहे हैं।

जतिंद्र नाथ स्वैन ने कहा कि भारतीय पक्ष हमेशा मछुआरों और उनकी आजीविका से संबंधित मुद्दों को मानवीय तरीके से समाधान करने के लिए रचनात्मक रूप से श्रीलंकाई पक्ष के साथ काम करने को लेकर प्रतिबद्ध है। इसके अलावा उन्होंने वर्तमान में श्रीलंकाई हिरासत में रखे गए भारतीय मछुआरों और नौकाओं की शीघ्र रिहाई का मुद्दा भी उठाया। वहीं, भारतीय पक्ष ने पाक खाड़ी मत्स्यपालन की उत्पादकता बढ़ाने को लेकर संयुक्त अनुसंधान के लिए श्रीलंका के साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की।

दोनों पक्षों ने गश्ती में दोनों देशों की नौसेना और तटरक्षक बल के बीच सहयोग, अवैध शिकार पर निगरानी करने में सहयोग सहित तटरक्षकों व संबंधित परिचालन संबंधी मामलों के बीच मौजूदा हॉटलाइन, बॉटम ट्रॉलिंग (जाल से मछली पकडऩे का काम) के कारण पर्यावरणीय क्षति की रोकथाम, दोनों पक्षों के मछुआरों की शिकायतों का समाधान करना, हाल ही में मछुआरों की हुई मौत की जांच से संबंधित मुद्दों और हिरासत में रखे गए मछुआरों व मछली पकडऩे वाली नौकाओं की स्थिति पर चर्चा की।

भारतीय पक्ष ने आजीविका विकल्पों में विविधता लाने और पाक खाड़ी में मछली पकडऩे के दबाव को कम करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों की पहलों को रेखांकित किया। साथ ही, यह भी बताया कि समुद्री शैवाल की खेती, समुद्री कृषि और कई जलीय कृषि गतिविधियों के जरिए गहरे समुद्र में मछली पकडऩे और वैकल्पिक आजीविका को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण किया गया है।

वहीं, श्रीलंकाई पक्ष ने पाक खाड़ी स्थित मत्स्यपालन में लंबे समय तक मछली पकडऩे के लिए त्वरित बदलाव करने का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा यह भी सुझाव दिया कि भारत उसे उत्तरी श्रीलंका में जलीय कृषि क्षेत्र और इससे संबंधित बुनियादी ढांचे को विकसित करने में सहायता कर सकता है।

मछुआरों से संबंधित मुद्दों का समाधन करने के लिए निरंतर सहयोग व बातचीत और संयुक्त कार्य समूह की अगली बैठक नियत समय पर आयोजित करने की प्रतिबद्धता के साथ इस बैठक का समापन एक सकारात्मक वातारण में किया गया।

इस संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पहली बैठक 31 दिसंबर, 2016 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। वहीं, इसकी दूसरी बैठक 7 अप्रैल, 2017 को कोलंबो में आयोजित की गई थी। इसके बाद जेडब्ल्यूजी की तीसरी बैठक 13 अक्टूबर, 2017 को नई दिल्ली में और चौथी बैठक 30 दिसंबर, 2020 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई थी।